पाठ : ४

फिर क्या हुआ

STUDY NOTES

MIND MAP

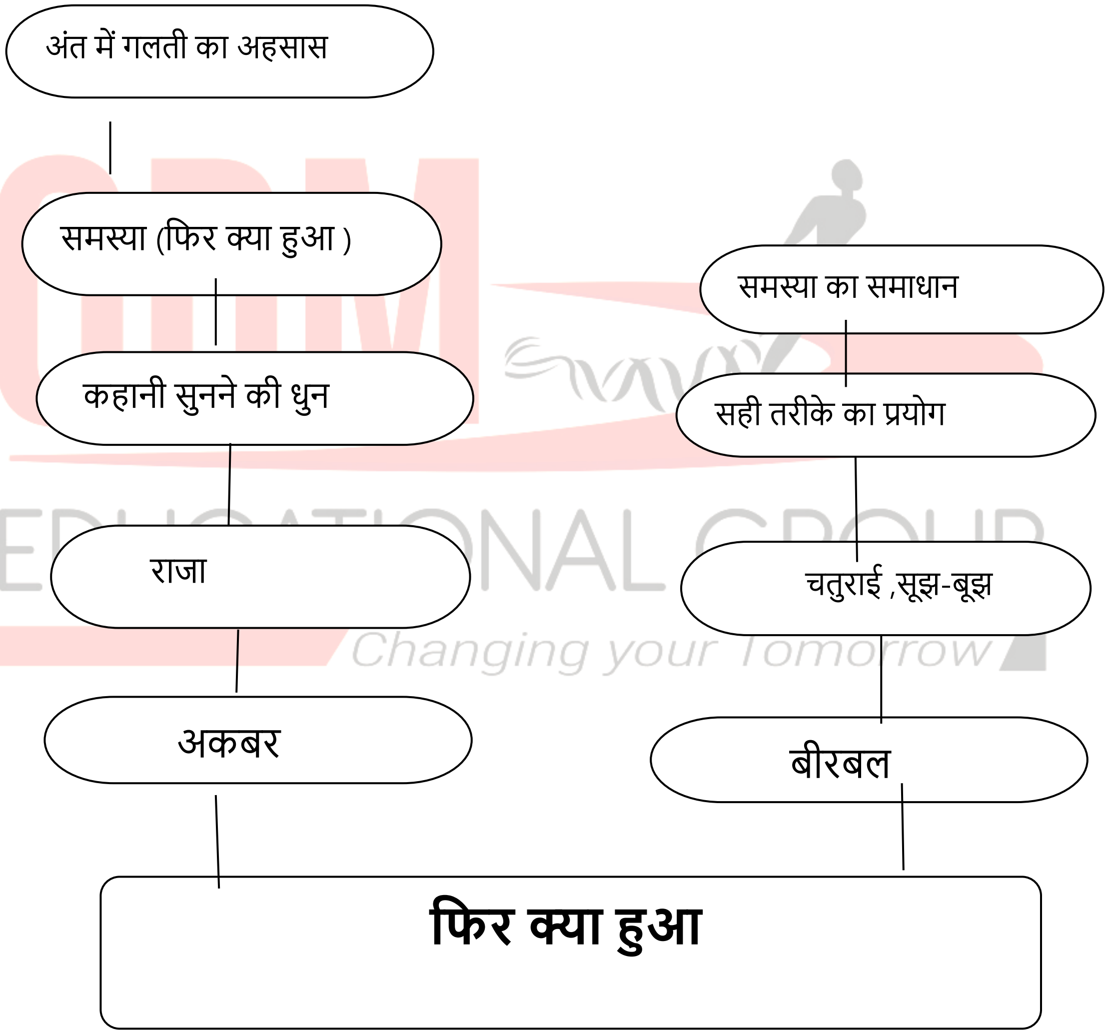

पाठ प्रवेश

मन में आने वाले प्रश्नों के उत्तर जानने चाहिए लेकिन ऐसा करते समय हमें दूसरों की सुविधा को भी ध्यान में रखना चाहिए ।अकबर - बीरबल का मज़ेदार किस्सा इसका सबसे बड़ा उदाहरण है क्योंकि अकबर - बीरबल की कहानी बीरबल की सूझ- बूझ व समझदारी का परिचायक है । किसी भी समस्या का हल निकालने के लिए बस थोड़ी - सी चतुराई की आवश्यकता होती है , जैसा कि बीरबल ने किया । बिना अकबर बादशाह को सीधे - सीधे समझाए तथा बिना उदाहरण दिए उन्होंने अपनी बात का संदेश अकबर बादशाह को समझा दिया अर्थात सही तरीके का प्रयोग किया ।

संबंधित प्रश्न –

१. मन में आने वाले प्रश्नों को जानने के लिए क्या करना चाहिए ?
२. सूझ - बूझ व समझदारी का सबसे अच्छा उदाहरण किसमें मिलता है?
३. व्यक्ति को चतुराई की आवश्यकता कब होती है?
४. विलोम शब्द लिखिए -
बादशाह , सुविधा
५. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए –
सूझ-बूझ - -----------------------------------
संदेश - ------------------------------------

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

सामान्य उद्देश्य -

किस्से के अर्थ को समझने के लिए छात्रों को तैयार करना ।

छात्रों के शब्द भंडार को समृद्ध करना ।

कठिन शब्दों का शुद्ध उच्चारण तथा वर्तनी पर बल देना ।

वचन, विलोम शब्द तथा संज्ञा शब्दों का प्रयोग सिखाना ।

छात्रों को नए शब्दों से परिचित कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य -

छात्रों को राजाओं तथा मंत्रियों के बारे में बताना ।

किस्से का अर्थ समझकर उसे जीवन में उतारने का सामर्थ्य जगाना ।

किसी भी समस्या का हल निकालने के लिए थोड़ी सी चतुराई की आवश्यकता होती है ।

पाठ का सार

चतुराई से समस्या का समाधान खोजना चाहिए क्योंकि अकबर बीरबल के इस लोकप्रिय किस्से में यह बताया गया है कि एक बार जब बादशाह अकबर को रोज़ रात में नींद न आने पर कहानी सुनने की धुन सवार हो गई, तब रात को कोई - न - कोई दरबारी आकर कहानी सुनाने लगा , पर दिक्कत यह थी कि हर कहानी के अंत में अकबर पूछते फिर क्या हुआ ? बीरबल ने इस समस्या से सभी को छुटकारा दिलाने के लिए एक बार खुद अकबर को कहानी सुनाई । कहानी में पक्षी अनाज से भरे मटके के छेद से दाना चुगने की कोशिश करते हैं। बारी -बारी से एक - एक पक्षी आता है और यही सब करता है । अकबर के यह पूछने पर कि आखिर कितने पक्षी दाना लेने आएँगे , तो बीरबल कहता है कुल पाँच - सौ पच्चीस पक्षी पेड़ पर बैठे हैं । अब महाराज को अपनी गलती का अहसास हुआ और उन्होंने कहानी सुनना छोड़ दिया ।

EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow